हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर का दौरा किया

माननीय मंत्री ने हस्तशिल्प निर्यातकों से मुलाकात और बातचीत की

जोधपुर, 27.07.2024: भारत सरकार के माननीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 27 जुलाई 2024 (शनिवार) को राजस्थान के जोधपुर में ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर का दौरा किया, यह माननीय वस्त्र मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद ईपीसीएच के जोधपुर ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) का उनका पहला दौरा है।

माननीय मंत्री का स्वागत ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने किया। इस अवसर पर ईपीसीएच सीओए के सदस्य - श्री हंसराज बहेती और श्री निर्मल भंडारी; कपड़ा मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती प्राजक्ता वर्मा; प्रमुख सदस्य निर्यातक श्री राधे श्याम रंगा; कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा और जोधपुर के सदस्य निर्यातक भी मौजूद रहे ।

माननीय वस्त्र मंत्री जोधपुर के ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर में निर्यातक सदस्यों से मिले और उनसे बातचीत की। इस बातचीत के दौरान हस्तशिल्प क्षेत्र के विकास से जुड़े कई मुद्दे उठाए गए, जैसे एमएसएमई प्रावधान के तहत निर्यातकों के लिए समय पर भुगतान की प्राप्ति से संबंधित छूट, शिपिंग लाइनों के जरिए लगाए गए उच्च कंटेनर शुल्क, मौसमी कार्यभार के अनुरूप हस्तशिल्प के लिए श्रम कानूनों का अनुरोध, लकड़ी से संबंधित प्रमाणन को लेकर आवश्यक अनुपालन के लिए वित्तीय सहायता, वन कटाई मुक्त उत्पादों पर यूरोपीय संघ विनियमन (ईयूडीआर), लकड़ी के लिए टेस्टिंग लैब की स्थापना, जीआई यानी भौगोलिक संकेतक उत्पादों को प्रोत्साहन राशि, जोधपुर से मुंद्रा बंदरगाह तक डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेन, इत्यादि।

भारत सरकार के माननीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि ईपीसीएच ने 2030 तक निर्यात को तीन गुना बढ़ाकर 1 लाख करोड़ रुपये करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, और उन्हें हस्तशिल्प निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करेंगे और वे समाधान खोजने के लिए अन्य मंत्रालयों के साथ समन्वय करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने सभी सदस्य निर्यातकों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समन्वय करने और काम करने का आग्रह किया।

ईपीसीएच के चेयरमैन श्री दिलीप बैद ने अपने संबोधन में कहा कि ईपीसीएच में हम महसूस करते हैं कि वैश्विक कंपनियों द्वारा चीन-प्लस-वन नीति अपनाने के बाद से नए अवसर सामने आए हैं। परिषद ने 2030 तक हस्तशिल्प के निर्यात को तीन गुना बढ़ाकर 1 लाख करोड़ करने का महत्वाकांक्षी लेकिन हासिल करने योग्य लक्ष्य रखा है। हम इस क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपना रहे हैं जिसमें नए उत्पाद और डिजाइन विकास पर ध्यान केंद्रित करना; उत्पादकता में वृद्धि; बेहतर पैकेजिंग और ब्रांड निर्माण शामिल हैं।

ईपीसीएच के सीओए सदस्य श्री हंसराज बहेती ने कहा कि जोधपुर के सभी निर्यातक इस महत्वपूर्ण शिल्प क्लस्टर से निर्यात बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने भारत सरकार द्वारा जोधपुर में स्थापित किए जा रहे रेलवे कंटेनर डिपो और राजस्थान सरकार द्वारा जोधपुर में स्थापित किए जा रहे कंटेनर डिपो को जल्द से जल्द चालू करने का मुद्दा उठाया।

ईपीसीएच के सीओए सदस्य श्री निर्मल भंडारी ने बताया कि टीएफसी व्यापार मेलों, खुदरा प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों, विशेष प्रचार कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के आयोजन के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। उन्होंने आगे कहा कि यह केंद्र जोधपुर में एक महत्वपूर्ण स्थल है जो उद्यमिता को बढ़ावा देने, हस्तशिल्प के निर्यात को सुविधाजनक बनाने और कई अन्य लोगों को आजीविका प्रदान करने में मदद करता है।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने कहा कि "जोधपुर में टीएफसी में माननीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी का स्वागत करना हमारे लिए सम्मान की बात है। वस्त्र मंत्रालय के मार्गदर्शन में ईपीसीएच ने हमेशा हस्तशिल्प क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। हमें विश्वास है कि माननीय मंत्री के विजन के तहत हम आने वाले भविष्य में जबरदस्त सफलता हासिल करेंगे।" श्री वर्मा ने निर्यात बढ़ाने और देश के हस्तशिल्प उद्योग के विकास में सहयोग देने के लिए ईपीसीएच के समर्पण पर जोर दिया।

यात्रा के दौरान माननीय मंत्री ने राजस्थान के हस्तशिल्प की प्रदर्शनी भी देखी, जिसमें कारीगरों ने लाइव प्रदर्शन किया। उन्होंने कारीगरों से बातचीत की और उनके शिल्प की सराहना की और कहा कि हस्तशिल्प कारीगर वास्तव में इस क्षेत्र की रीढ़ हैं और यदि इस क्षेत्र को आगे बढ़ाना है तो यह महत्वपूर्ण है कि कारीगरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित और बढ़ावा दिया जाए।

ईपीसीएच देश से हस्तशिल्प के निर्यात को दुनिया के विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने के लिए बढ़ावा देने और हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की छवि को विदेशों में पेश करने की एक नोडल संस्थान है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा ने बताया कि साल 2023-24 के दौरान हस्तशिल्प का निर्यात 32758.80 करोड़ रुपये (3956.46 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का रहा, इसमें पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के लिहाज से 9.13% और डॉलर में 6.11% की वृद्धि हुई।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
श्री आर. के. वर्मा, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच
+91-9810697868

EPCH HOUSE Pocket 6 & 7 Sector 'C', LSC, Vasant Kunj, New Delhi-110070
Tel: +91-11-26135256 Fax: +91-11-26135518 & 19 Email: mails@epch.com I www.epch.in
CIN U20299DL1955NPLO23253
GST NO: 07AAACE1747M1ZJ

Press Release

Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles, Government of India visited the Trade Facilitation Centre

The Hon'ble Minister interacted and met Handicraft Exporters Fraternity

Jodhpur, 27.07.2024: The Hon'ble Minister of Textiles, Government of India, Shri Giriraj Singh, visited the Trade Facilitation Centre at Jodhpur Rajasthan on 27th July 2024 (Saturday), marking his first visit to EPCH's Jodhpur Trade Facilitation Centre (TFC) after assuming the charge as the Hon'ble Minister of Textiles.

The Hon'ble Minister was welcomed by Shri Dileep Baid, Chairman, EPCH. Also present on the occasion were EPCH CoA Members - Shri Hansraj Baheti & Shri Nirmal Bhandari; Mrs. Prajakta Verma, Joint Secretary, Ministry of textiles; Shri Radhe Shaym Ranga, prominent member exporter; Shri R. K. Verma, Executive Director and member exporters from Jodhpur.

The Hon'ble Minister visited Trade Facilitation Centre at Jodhpur and met member exporters and interacted with them. During the interaction, various issues pertaining to growth and development of the Handicraft sector were raised such as Relaxation for exporters under MSME provision pertaining to timely receipt of payments, Production Linked Scheme for Handicraft Sector, High container charges levied by shipping lines, Request for flexible labour laws for handicrafts to suit seasonal work load, Financial assistance for necessary compliances for certifications pertaining to wood, EU regulation on deforestation-free products (EUDR), Establishment of testing labs for wood, Incentive for Geographical Indications (GI) products, Double-stack container train from jodhpur to mundra port to name a few.

Shri Giriraj Singh, Hon'ble union Minister of Textiles, in his address said that he's happy to know, EPCH has set an ambitious target of tripling exports to Rs 1 lakh crores by 2030, and he will consider the request made by handicraft exporters and will try and coordinate with the other ministries to find a solution. He urged all the member exporters to coordinate and work towards achieving this target.

Shri Dileep Baid, Chairman-EPCH in his address said that we at EPCH realize that new opportunities have emerged since the global companies are adopting China-plus-one policy. The council has set an ambitious though achievable target of tripling the exports of handicrafts to 1 lakh crores by 2030. We are adopting a multipronged strategy to kick start growth in the sector which include Focus on new product and design development; Productivity enhancement; Better packaging and Brand building.

Shri Hansraj Baheti, Member CoA, EPCH, said that all the exporters from Jodhpur are committed to enhancing exports from this important craft cluster. He raised issue pertaining to Railway container depot being setup at Jodhpur by Government of India and a container depot being set up by Government of Rajasthan at Jodhpur to be made operational at the earliest.

Shri Nirmal Bhandari, Member CoA – EPCH shared that TFC serve as a platform to hold trade fairs, retail exhibitions, buyer-seller meets, special promotional events, conduct workshops and conferences. He further added that this centre is an important landmark in Jodhpur which helps in nurturing entrepreneurship, facilitating exports of handicrafts and providing livelihood to many.

Mr. R. K. Verma, Executive Director of EPCH, shared that "It's our honour to welcome the Hon'ble Minister, Shri Giriraj Singh ji, at the TFC in Jodhpur. EPCH, under the guidance of Ministry of Textiles, has always taken important initiatives to shoulder the handicrafts sector. We are confident that under the vision of the Hon'ble Minister, we will achieve tremendous success in the coming future." Shri Kumar emphasized EPCH's dedication towards enhancing exports and supporting the growth of the nation's handicraft industry. He added,

During the visit, Hon'ble minister also witnessed the display of handicrafts of Rajasthan, with live demonstration by the artisans. He interacted with them and appreciated their craft and said that handicraft artisan are truly backbone of sector and in case sector has to grow its important that the artisans are to be encouraged and promoted at national and international levels.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2023-24 was Rs. 32758.80 Crores (US $ 3956.46 Million) registering a growth of 9.13% in rupee term & 6.11% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. R.K. Verma, Executive Director-EPCH.

For more information, please contact:
Shri R. K. Verma, Executive Director – EPCH
+91-9810697868

Encl: Hindi English with photos:

Photo 1: Shri Dileep Baid, Chairman, EPCH welcomed Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles at Trade Facilitation Centre, Jodhpur.

Photo 2 & 3: Shri Giriraj Singh, Hon'ble Union Minister of Textiles addressing the august gathering along with Shri Dileep Baid, Chairman, EPCH; EPCH CoA Members - Shri Hansraj Baheti & Shri Nirmal Bhandari; Shri Radhe Shaym Ranga, prominent member exporter and Shri R. K. Verma, Executive Director.

Photo 4: Planting of Sapling at TFC by Hon'ble Minister